चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	1.10.22	4	6-8

16 स्टार्टअप्स को एचएयू देगा 1.98 करोड़

प्रदेशभर के चयनित स्टार्टअप्स और एबिक के बीच हुआ एग्रीमेंट

हिसार : एचएयू में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ चयनित स्टार्टअप्स के संस्थापक व अन्य अधिकारी। संवाद

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (जीजेयू) स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के एग्री स्टार्टअप्स के लिए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से 16 स्टार्टअप्स के लिए एक करोड़ 98 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज की अध्यक्षता में आरकेवीवाई-रफ्तार स्कीम के तहत चयनित स्टार्टअप्स और एबिक के बीच समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं।

प्रो. कांबोज ने बताया कि इस अनुदान राशि का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा स्टार्टअप्स युवाओं को रोज़गार देना व खेती से संबंधित समस्याओं के समाधान में अपने कार्य क्षेत्र अनुसार किसानों को ज्यादा से ज्यादा सहयोग देना है।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने बताया कि वर्ष 2021 में आरकेवीवाई-रफ्तार स्कीम के तहत 46 स्टार्टअप्स ने दो महीने का निशुल्क प्रशिक्षण लिया था। इनमें से 26 स्टार्ट अप्स की प्रस्तुति कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की गठित कमेटी के समक्ष हुई थी। इसके बाद 16 स्टार्टअप्स को अनुदान राशि के लिए चुना गया।

यह दी जाएगी अनुदान राशि : एबिक के प्रिंसिपल इंवेस्टिगेटर डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि हिसार के सुनील कुमार, परमवीर सिंह भूपेंद्र सिंह, सिरसा के कृष्ण लाल को 24 लाख, सौरभ गौतम को 10 लाख, झज्जर के सत्यवीर सिंह को 10 लाख, जींद के अशोक कुमार को 12 लाख, नरेश कुमार को 20 लाख, पुनीत दत्ता को 12 लाख, सैयद केसर आलम को 10 लाख, रोहतक के प्रदीप सिंह को 5 लाख, पुनीत त्रिपाठी को 5 लाख, खुशबू को 5 लाख, प्रवीन कुमार को 5 लाख, दीपिका अहलावत को 5 लाख की अनुदान राशि प्रदान की जाएगी। यमुनानगर के सुभाष को 20 लाख का प्रोजेक्ट दिया गया है। सेंटर के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु ने बताया कि स्कीम के तहत पहल व सफल के लिए इस साल के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.hau.ac.in पर 17 अक्तूबर तक ऑनलाइन आवेदन करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	1-10-22	4	3-6

एचएयू स्थित एबिक और विभिन्न जिलों से आए 16 चयनित स्टार्टअप्स के बीच हुआ एग्रीमेंट

प्रदेशभर से चयनित 16 स्टार्टअप्स को 1 करोड़ 98 लाख रुपए की ग्रांट मिलेगी

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एग्री बिजनेस, इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के एग्री स्टार्टअप्स के लिए भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से 16 स्टार्टअप्स के लिए 1 करोड़ 98 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की अध्यक्षता में आर.के. वी. वाई.- रफ्तार स्कीम के तहत चयनित स्टार्टअप्स और एबीक के बीच एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर हुए हैं।

प्रो. काम्बोज ने बताया कि इस अनुदान राशि का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा स्टार्टअप्स युवाओं को रोजगार देना व खेती से संबंधित समस्याओं के समाधान में अपने कार्य क्षेत्र अनुसार किसानों को ज्यादा सहयोग देना है। उन्होंने कहा कि यह सेंटर भविष्य में बैंक से लोन, इन्वेस्टर से फंडिंग, मार्केटिंग, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा तकनीकी सहायता और किसान व स्टार्टअप मेले में प्लेटफॉर्म देने में भरपूर सहयोग करेगा।

विवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने बताया कि यह सेंटर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के दिशा निर्देशानुसार देश के युवाओं, किसानों, विद्यार्थियों व प्रथम पीढ़ी के एंटरप्रेन्योर को आगे ले जाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। वर्ष 2021 में आर.के.वी.वाई. रफ्तार स्कीम के तहत 46 स्टार्टअप्स ने 2 महीने का निःशुल्क प्रशिक्षण लिया था, उनमें से 26 स्टार्टअप्स की प्रस्तुति कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की गठित कमेटी के समक्ष हुई थी, जिनमें से 16 स्टार्टअप्स को अनुदान राशि प्रदान करने के लिए चुन लिया गया है।

एबीक के प्रिंसिपल इंवेस्टीगेटर के मुताबिक जानिए... किन स्टार्टअप्स को मिलेगी अनुदान राशि

एबीक के प्रिंसिपल इंवेस्टीगेटर डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि जिनको अनुदान राशि मिलनी है उनमें हिसार जिले के निवासी सुनील कुमार-केमीनटेक प्राइवेट लिमिटेड को 10 लाख, परमवीर सिंह-एक्वानेट बायोसाइंसिस प्राइवेट लिमिटेड को 20 लाख, यमुनानगर जिले के निवासी सुभाष-कंबोज हनी बी फार्म प्राइवेट लिमिटेड को 20 लाख, हिसार जिले के निवासी भूपेन्द्र सिंह-राजली एग्रो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को 25 लाख, सिरसा जिले के कृष्ण लाल-एस. जी.ए. फ्रैशवेज प्राइवेट लिमिटेड को 24 लाख, सौरभ गौतम-कृषि गुरुकुलम प्राइवेट लिमिटेड को 10 लाख, झज्जर जिले के निवासी सत्यवीर सिंह-पी.ओ.एस. फूड्स एलएलपी को 10 लाख, जींद जिले के निवासी अशोक कुमार-ऑलएग्रीऑनलाइन प्राइवेट लिमिटेड को 12 लाख, नरेश कुमार-बारू फार्म प्राइवेट लिमिटेड को 20 लाख, पुनीत दत्ता-आटावेयर बायोडिग्रेडेबल प्राइवेट लिमिटेड को 12 लाख, सैयद कैसरआलम-कायजा हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड को 10 लाख, रोहतक जिले के निवासी प्रदीप सिंह-बागड़ी मिल्क पार्लर प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख, पुनीत त्रिपाठी-योपुन सोल्युशनस प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख, खुशबू-एक्वाप्योर फीड प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख, प्रवीन कुमार-अमरतक्ष एग्रो प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख, दीपिका पहलावत-न्यूको एक्सपर्ट प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख की अनुदान राशि प्रदान की जाएगी।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	1-10-22	9	4-8

समझौता प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 16 चयनित स्टार्टअप्स और एबिक के बीच एग्रीमेंट

एचएयू ने प्रदेशभर से चयनित 16 स्टार्टअप्स को एक करोड़ 98 लाख की राशि स्वीकृत की

ज्यादा से ज्यादा स्टार्टअप्स युवाओं को रोजगार का उद्देश्य

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के एग्री स्टार्टअप्स के लिए केंद्र सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से 16 स्टार्टअप्स के लिए 1 करोड़ 98 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस संदर्भ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की अध्यक्षता में आरकेवीवाई-रफ्तार स्कीम के तहत चयनित स्टार्टअप्स और एबीक के बीच एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर हुए हैं। प्रो. काम्बोज ने बताया कि इस अनुदान राशि का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा स्टार्टअप्स युवाओं को रोजगार देना व खेती से संबंधित समस्याओं के समाधान में अपने कार्य क्षेत्र अनुसार किसानों को ज्यादा से ज्यादा सहयोग देना है। उन्होंने कहा यह सेंटर भविष्य में बैंक से लोन, इन्वेस्टर से फंडिंग, मार्केटिंग, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा तकनीकी सहायता और किसान व स्टार्टअप मेले में प्लेटफॉर्म देने में भरपूर सहयोग करेगा। उन्होंने स्टार्टअप्स से पूरी लगन से अपने व्यापार को आगे बढ़ाने का आह्वान किया ताकि देश के नौजवान उनसे प्रेरित होकर स्टार्टअप्स खड़ा कर सकें।

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ चयनित स्टार्टअप्स व अन्य अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

इन स्टार्टअप्स को मिलेगी अनुदान राशि

एबीक के प्रिंसीपल इंवेस्टीगेटर डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि जिनको अनुदान राशि मिलनी है उनमें हिसार जिले के निवासी सुनील कुमार-केवीनटेक प्राइवेट लिमिटेड को 10 लाख, परमवीर सिंह-एक्वाजेट बायोसाइंसिस प्राइवेट लिमिटेड को 20 लाख, यमुनानगर जिले के निवासी सुभाष-कंबोज हनी बी फार्म प्राइवेट लिमिटेड को 20 लाख, हिसार जिले के निवासी भूपेन्द्र सिंह-राजली एग्रो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को 25 लाख, सिरसा जिले के कृष्ण लाल-एसजीए फ्रेशवेज प्राइवेट लिमिटेड को 24 लाख, सौरभ गौतम-कृषि गुरुकुलम प्राइवेट लिमिटेड को 10 लाख, झज्जर जिले के निवासी सत्यवीर सिंह-पीओएस फूड्स एलएलपी को 10 लाख, जींद जिले के निवासी अशोक कुमार-ऑलएग्रीऑनलाइन प्राइवेट लिमिटेड को 12 लाख, नरेश कुमार-बारू फार्मा प्राइवेट लिमिटेड को 20 लाख, पुनीत दत्ता-आटावेयर बायोडिग्रेडेबल प्राइवेट लिमिटेड को 12 लाख, सैयद केसरआलम-कायजा हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड को 10 लाख, रोहतक जिले के निवासी प्रदीप सिंह-बागड़ी मिल्क पार्लर प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख, पुनीत त्रिपाठी-योपुन सोल्यूशनस प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख, खुशबू-स्ववायोर फोड़ प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख, प्रवीन कुमार-अमरतत्व एग्रो प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख, दीपिका एहलावत-न्यूको फ्लक्सपर्ट प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख की अनुदान राशि प्रदान की जाएगी। इस अनुदान राशि के सहयोग से स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ाने के साथ युवाओं के लिए रोजगार भी प्रदान करेंगे।

स्टार्टअप्स के लिए नए आवेदन मांगे

एबीक सेंटर के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद प्रस्तुत किया और बताया कि हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के प्रोत्साहित किसानों, विद्यार्थियों, उद्यमियों व कृषि के क्षेत्र में नवाचार पर काम करने वाली कंपनियों व अपना नया व्यवसाय शुरू करने वाले युवाओं के लिए आरकेवीवाई रफ्तार स्कीम के तहत पहल व सफल-2022 कार्यक्रमों के माध्यम से इस साल के लिए भी आवेदन मांगे गए है। उन्होंने बताया कि स्टार्टअप्स के लिए वह विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर 17 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन करें। इस मौके पर एबीक की पूरी टीम मौजूद थी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	1.10.22	2	5-6

16 स्टार्टअप्स को 1.98 करोड़ की मिलेगी ग्रांट

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के एग्री स्टार्टअप्स के लिए भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से 16 स्टार्टअप्स के लिए एक करोड़ 98 लाख की राशि स्वीकृत की गई है।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की अध्यक्षता में आरकेवीवाई- रफ्तार स्कीम के तहत चयनित स्टार्टअप्स और एबीक के बीच एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर हुए हैं।

रफ्तार स्कीम के तहत 46 स्टार्टअप्स ने दो महीने का निःशुल्क प्रशिक्षण लिया था, उनमें से 26 स्टार्टअप्स की प्रस्तुति कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की गठित कमेटी के समक्ष हुई थी, जिनमें से 16 स्टार्टअप्स को अनुदान राशि प्रदान करने के लिए चुन लिया गया है।

इनको मिलेगी अनुदान राशि

एबीक के प्रिंसीपल इंवेस्टीगेटर डा. राजेश गेरा ने बताया कि जिनको अनुदान राशि मिलनी है उनमें हिसार के सुनील कुमार-केबीनटेक प्राइवेट लिमिटेड को 10 लाख, परमवीर सिंह-एक्वानेट बायोसाइंसिस प्राइवेट लिमिटेड को 20 लाख, यमुनानगर के सुभाष-कंबोज हनी बी फार्म प्राइवेट लिमिटेड को 20 लाख, हिसार के भूपेन्द्र सिंह-राजली एग्रो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को 25 लाख, सिरसा के कृष्ण लाल-एसजीए फ्रेशवेज प्राइवेट लिमिटेड को 24 लाख, सौरभ गौतम-कृषि गुरुकुलम प्राइवेट लिमिटेड को 10 लाख, झज्जर के निवासी सत्यवीर सिंह-पीआएस फूडस एलएलपी को 10 लाख, जींद के अशोक कुमार-आलएग्री आनलाइन प्राइवेट लिमिटेड को 12 लाख, नरेश कुमार-बारू फार्मा प्राइवेट लिमिटेड को 20 लाख, पुनीत दत्ता-आटावेयर बायोडिग्रेडेबल प्राइवेट लिमिटेड को 12 लाख की अनुदान राशि मिलेगी।

नए आवेदन भी आमंत्रित किए गए हैं

एबीक सेंटर के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु ने प्रतिभागियों को बताया कि हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के प्रोग्रेसिव किसानों, विद्यार्थियों, उद्यमियों व कृषि के क्षेत्र में नवाचार पर काम करने वाली कंपनियों व अपना नया व्यवसाय शुरू करने वाले युवाओं के लिए रफ्तार स्कीम के तहत पहल व सफल-2022 कार्यक्रमों के माध्यम से इस साल के लिए भी आवेदन मांगे गए हैं। उन्होंने बताया कि स्टार्टअप्स के लिए यह सुनहरा अवसर है कि वो विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.hau.ac.in पर जाकर 17 अक्टूबर तक आनलाइन आवेदन करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	1.10.22	6	1-3

एचएयू द्वारा प्रदेश भर से चयनित 16 स्टार्टअप्स को 1 करोड़ 98 लाख की ग्रांट दी जाएगी : कुलपति काम्बोज

हरियाणा प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 16 चयनित स्टार्टअप्स और एबिक के बीच हुआ एग्रीमेंट

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ चयनित स्टार्टअप्स व अन्य अधिकारीगण।

हिसार, 30 सितम्बर (विरेंद्र वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के एग्री स्टार्टअप्स के लिए भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से 16 स्टार्टअप्स के लिए 1 करोड़ 98 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस संदर्भ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अध्यक्षता में आर.के. वी. वाई.-रफ्तार स्कीम के तहत चयनित स्टार्टअप्स और एबीक के बीच एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर हुए है।

प्रो. काम्बोज ने बताया कि इस अनुदान राशि का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा स्टार्टअप्स युवाओं को रोजगार देना व खेती से संबंधित समस्याओं के समाधान में अपने कार्य क्षेत्र अनुसार किसानों को ज्यादा से ज्यादा सहयोग देना है। उन्होंने स्टार्टअप्स से पूरी लगन से अपने व्यापार को आगे बढ़ाने का आह्वान किया ताकि देश के नौजवान उनसे प्रेरित होकर अपना स्टार्टअप्स खड़ा कर सकें।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने बताया कि यह सेंटर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के दिशा निर्देशानुसार देश के युवाओं, किसानों, विद्यार्थियों व प्रथम पीढ़ी के एंटरप्रेन्योर को आगे ले जाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। वर्ष 2021 में आर.के.वी.वाई.-रफ्तार स्कीम के तहत 46 स्टार्टअप्स ने 2 महीने का निशुल्क प्रशिक्षण लिया था, उनमें से 26 स्टार्टअप्स की प्रस्तुति कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की गठित कमेटी के समक्ष हुई थी, जिनमें से 16 स्टार्टअप्स को अनुदान राशि प्रदान करने के लिए चुन लिया गया है।

इस अवसर एबीक सेंटर के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद प्रस्तुत किया और बताया कि हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के प्रोग्रेसिव किसानों, विद्यार्थियों, उद्यमियों व कृषि के क्षेत्र में नवाचार पर काम करने वाली कंपनियों व अपना नया व्यवसाय शुरू करने वाले युवाओं के लिए आर.के.वी.वाई. रफ्तार स्कीम के तहत पहल व सफल-2022 कार्यक्रमों के माध्यम से इस साल के लिए भी आवेदन मांगे गए हैं। उन्होंने बताया कि स्टार्टअप्स के लिए यह सुनहरा अवसर है कि वो विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर 17 अक्तूबर तक ऑनलाइन आवेदन करें। इस मौके पर एबीक की पूरी टीम मौजूद थी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	1-10-22	4	5-6

16 स्टार्टअप्स को 1 करोड़ 98 लाख की ग्रांट देगी एच.ए.यू. : कुलपति

हिसार, 30 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के एग्री स्टार्टअप्स के लिए भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से 16 स्टार्टअप्स के लिए 1 करोड़ 98 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है।

इस संदर्भ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अध्यक्षता में आर.के. वी. वाई.-रफ्तार स्कीम के तहत चयनित स्टार्टअप्स और एबीक के बीच एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर हुए हैं।

प्रो. काम्बोज ने बताया कि इस अनुदान राशि का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा स्टार्टअप्स युवाओं को रोजगार देना व खेती से संबंधित समस्याओं के समाधान में अपने कार्य क्षेत्र अनुसार किसानों को ज्यादा से ज्यादा सहयोग देना है। उन्होंने स्टार्टअप्स से पूरी लगन से अपने व्यापार को आगे बढ़ाने का आह्वान किया ताकि देश के नौजवान उनसे प्रेरित होकर अपना स्टार्टअप्स खड़ा कर सकें।

एबीक के प्रिंसीपल इंवैस्टिगेटर डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि इस अनुदान राशि के सहयोग से स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ाने के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार भी प्रदान करेंगे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ चयनित स्टार्टअप्स व अन्य अधिकारीगण।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	30.09.2022	--	--

एचएयू द्वारा प्रदेश भर से चयनित 16 स्टार्टअप्स को 1 करोड़ 98 लाख की ग्रांट दी जाएगी : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के एग्री स्टार्टअप्स के लिए भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से 16 स्टार्टअप्स के लिए 1 करोड़ 98 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस संदर्भ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अध्यक्षता में आर.के.वी.वाई.- रफ्तार स्कीम के तहत चयनित स्टार्टअप्स और एबीक के बीच एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर हुए हैं। प्रो. काम्बोज ने बताया कि इस अनुदान राशि का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा स्टार्टअप्स युवाओं को रोजगार देना व खेती से संबंधित समस्याओं के समाधान में अपने कार्य क्षेत्र अनुसार किसानों को ज्यादा से ज्यादा सहयोग देना है। उन्होंने कहा यह सेंटर भविष्य में बैंक से लोन, इन्वेस्टर से फंडिंग, मार्केटिंग, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा तकनीकी सहायता और किसान व स्टार्टअप मेले में प्लेटफार्म देने में भरपूर सहयोग करेगा। उन्होंने स्टार्टअप्स से पूरी लगन से अपने व्यापार को आगे बढ़ाने का आह्वान किया ताकि देश के नौजवान उनसे प्रेरित होकर अपना स्टार्टअप्स खड़ा कर सकें। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने बताया कि यह सेंटर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के दिशा निर्देशानुसार देश के युवाओं, किसानों, विद्यार्थियों व प्रथम पीढ़ी के एंटरप्रेन्योर को आगे ले जाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। वर्ष 2021 में आर.के.वी.वाई.-रफ्तार स्कीम के तहत 46 स्टार्टअप्स ने 2 महीने का निःशुल्क प्रशिक्षण लिया था, उनमें से 26 स्टार्टअप्स की प्रस्तुति कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की गठित कमेटी के समक्ष हुई थी, जिनमें से 16 स्टार्टअप्स को अनुदान राशि प्रदान करने के लिए चुन लिया गया है।

इन स्टार्टअप्स को मिलेगी अनुदान राशि

एबीक के प्रिंसिपल इंवेस्टीगेटर डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि जिनको अनुदान राशि मिलनी है उनमें हिसार जिले के निवासी सुनील कुमार-केमीनटेक प्राइवेट लिमिटेड को 10 लाख, परमवीर सिंह-एग्रानेट बायोसाइंसिज प्राइवेट लिमिटेड को 20 लाख, यमुनानगर जिले के निवासी सुभाष-कंबोज हनी बी फार्म प्राइवेट लिमिटेड को 20 लाख, हिसार जिले के निवासी भूपेन्द्र सिंह-राजली एग्रो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को 25 लाख, सिरसा जिले के कृष्ण लाल-एस.जी.ए. फीडलेंज प्राइवेट लिमिटेड को 24 लाख, सौरभ गौतम-कृषि गुरुकुलम प्राइवेट लिमिटेड को 10 लाख, झज्जर जिले के निवासी सत्यवीर सिंह-पी.ओ.एस. चूड़ामणि एलएलपी को 10 लाख, जींद जिले के निवासी अशोक कुमार-ऑलएग्रीऑनलाइन प्राइवेट लिमिटेड को 12 लाख, नरेश कुमार-बाक फार्म्स प्राइवेट लिमिटेड को 20 लाख, पुनीत दत्ता-आदाबेयर बायोडिग्रेडेबल प्राइवेट लिमिटेड को 12 लाख, सैयद केसरआलम-कायजा हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड को 10 लाख, रोहतक जिले के निवासी प्रदीप सिंह-बागड़ी मिल्क पार्लर प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख, पुनीत त्रिपाठी-गोपुन सोल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख, खुशबू-एग्रामोर फीड प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख, प्रवीन कुमार-असवाला एग्रो प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख, दीपिका एहलावत-न्यूक्री एक्सपर्ट प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख की अनुदान राशि प्रदान की जाएगी। इस अनुदान राशि के सहयोग से स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ाने के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार भी प्रदान करेंगे।

स्टार्टअप्स के लिए नए आवेदन भी आमंत्रित किए गए हैं

इस अवसर एबीक सेंटर के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद प्रस्तुत किया और बताया कि हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के प्रोत्साहित किसानों, विद्यार्थियों, उद्यमियों व कृषि के क्षेत्र में नवाचार पर काम करने वाली कंपनियों व अपना नया व्यवसाय शुरू करने वाले युवाओं के लिए आर.के.वी.वाई. रफ्तार स्कीम के तहत पहल व सफल-2022 कार्यक्रमों के माध्यम से इस साल के लिए भी आवेदन मांगे गए हैं। उन्होंने बताया कि स्टार्टअप्स के लिए यह सुनहरा अवसर है कि वो विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर 17 अक्तूबर तक ऑनलाइन आवेदन करें। इस मौके पर एबीक की पूरी टीम मौजूद थी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज	30.09.2022	--	--

एचएयू द्वारा प्रदेश भर से चयनित 16 स्टार्टअप्स को 1 करोड़ 98 लाख की ग्रांट दी जाएगी: कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

- हरियाणा प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 16 चयनित स्टार्टअप्स और एबिक के बीच हुआ एग्रीमेंट

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ चयनित स्टार्टअप्स व अन्य अधिकारीगण

प्रवीन कुमार

हिसार। चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के एग्री स्टार्टअप्स के लिए भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से 16 स्टार्टअप्स के लिए 1 करोड़ 98 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। इस संदर्भ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अध्यक्षता में आर.के. वी. वाई.- रफ्तार स्कीम के तहत चयनित स्टार्टअप्स और एबिक के बीच एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर हुए हैं।

प्रो. काम्बोज ने बताया कि यह सेंटर भविष्य में बैंक से लोन, इन्वेस्टर से फंडिंग, मार्केटिंग, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा तकनीकी सहायता और किसान व स्टार्टअप मेले में प्लेटफॉर्म देने में भरपूर सहयोग करेगा। उन्होंने स्टार्टअप्स से पूरी लगन से अपने व्यापार को आगे बढ़ाने का आह्वान किया ताकि देश के नौजवान उनसे प्रेरित होकर अपना स्टार्टअप्स खड़ा कर सकें।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने बताया कि यह सेंटर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के दिशा निर्देशानुसार देश के युवाओं, किसानों, विद्यार्थियों व प्रथम पीढ़ी के एंटरप्रेन्योर को आगे ले जाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। वर्ष 2021 में आर.के.वी.वाई.-रफ्तार स्कीम के तहत 46 स्टार्टअप्स ने 2 महीने का निःशुल्क प्रशिक्षण लिया था, उनमें से 26 स्टार्टअप्स की प्रस्तुति कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की गठित कमेटी के समक्ष हुई थी, जिनमें से 16 स्टार्टअप्स को अनुदान राशि प्रदान करने के लिए चुन लिया गया है।

इन स्टार्टअप्स को मिलेगी अनुदान राशि: एबीक के प्रिंसीपल इंवेस्टीगेटर डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि जिनको अनुदान राशि मिलनी है उनमें हिसार जिले के निवासी सुशील कुमार-केनीसटैक प्राइवेट लिमिटेड को 10 लाख, परमवीर सिंह-एक्वानेट बायोमेडिसिस प्राइवेट लिमिटेड को 20 लाख, यमुनानगर जिले के निवासी सुभाष-कंबोज हनी बी फार्म प्राइवेट लिमिटेड को 20 लाख, हिसार जिले के निवासी भूपेन्द्र सिंह-राकली एग्रो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को 25 लाख, सिरसा जिले के कृष्ण लाल-एस.जी.ए. फ्रेशवेज प्राइवेट लिमिटेड को 24 लाख, सौरभ गौतम-कृषि गुरुकुलम प्राइवेट लिमिटेड को 10 लाख, झज्जर जिले के निवासी सतबीर सिंह-पी.ओ.एस. फूड्स एलएलपी को 10 लाख, जींद जिले के निवासी अशोक कुमार-ऑलएग्रीऑनलाइन प्राइवेट लिमिटेड को 12 लाख, नरेश कुमार-बाक फार्म प्राइवेट लिमिटेड को 20 लाख, पुनीत दत्त-आरकेयर बायोडिग्रेडेबल प्राइवेट लिमिटेड को 12 लाख, सैयद केसरआलम-कायजा हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड को 10 लाख, रोहतक जिले के निवासी प्रदीप सिंह-खगाड़ी मिल्क पार्लर प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख, पुनीत त्रिपाठी-योपुन सोल्युशन्स प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख, खुशबू-एक्वाफोर फीड प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख, प्रवीन कुमार-अमरतवा एग्रो प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख, दीपिका पहलावत-न्यूको एग्रमार्ट प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख की अनुदान राशि प्रदान की जाएगी। इस अनुदान राशि के सहयोग से स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ाने के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार भी प्रदान करेंगे।

स्टार्टअप्स के लिए नए आवेदन भी आमंत्रित किए गए हैं। इस अवसर एबीक सेंटर के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद प्रस्तुत किया और बताया कि हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के प्रोग्रेसिव किसानों, विद्यार्थियों, उद्यमियों व कृषि के क्षेत्र में नवाचार पर काम करने वाली कंपनियों व अपना नया व्यवसाय शुरू करने वाले युवाओं के लिए आर.के.वी.वाई. रफ्तार स्कीम के तहत पहल व सफल-2022 कार्यक्रमों के माध्यम से इस साल के लिए भी आवेदन मांगे गए हैं।

उन्होंने बताया कि स्टार्टअप्स के लिए यह सुनहरा अवसर है कि वो विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर 17 अक्तूबर तक ऑनलाइन आवेदन करें। इस मौके पर एबीक की पूरी टीम मौजूद थी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	30.09.2022	--	--

एचएयू देगी प्रदेश भर से चयनित 16 स्टार्टअप्स को 1 करोड़ 98 लाख की ग्रांट : प्रो. काम्बोज

हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए 16 चयनित स्टार्टअप्स और एबिक के बीच हुआ एग्रीमेंट

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सैंटर (एबिक) के एग्री स्टार्टअप्स के लिए भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से 16 स्टार्टअप्स के लिए 1 करोड़ 98 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस संदर्भ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अध्यक्षता में आर.के. वी. वाई.- रफ्तार स्कीम के तहत चयनित स्टार्टअप्स और एबीक के बीच एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर हुए हैं।

प्रो. काम्बोज ने बताया कि इस अनुदान राशि का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा स्टार्टअप्स युवाओं को रोजगार देना व खेती से संबंधित समस्याओं के समाधान में अपने कार्य क्षेत्र अनुसार किसानों को ज्यादा से ज्यादा सहयोग देना है। उन्होंने कहा यह सेंटर भविष्य में बैंक से लोन, इन्वेस्टर से फंडिंग, मार्केटिंग, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा तकनीकी सहायता और किसान व स्टार्टअप मेले में प्लेटफॉर्म देने में भरपूर सहयोग करेगा। उन्होंने स्टार्टअप्स से पूरी लगन से अपने व्यापार को आगे बढ़ाने का आह्वान किया ताकि देश के नौजवान उनसे प्रेरित होकर अपना स्टार्टअप्स खड़ा कर सकें। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने बताया कि यह सेंटर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के दिशा निर्देशानुसार देश के युवाओं, किसानों, विद्यार्थियों व प्रथम पीढ़ी के एंटरप्रेन्योर को आगे ले जाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। वर्ष 2021 में आर.के.वी.वाई.-रफ्तार स्कीम के तहत 46 स्टार्टअप्स ने 2 महीने का निःशुल्क प्रशिक्षण लिया था, उनमें से 26 स्टार्टअप्स की प्रस्तुति कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की गठित कमेटी के समक्ष हुई थी, जिनमें से 16 स्टार्टअप्स को अनुदान राशि प्रदान करने के लिए चुन लिया गया है।

इन स्टार्टअप्स को मिलेगी अनुदान राशि : एबीक के प्रिंसीपल इंवेस्टीगेटर डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि जिनको अनुदान राशि मिलनी है उनमें हिसार जिले के निवासी सुनील कुमार-केवीनटैक प्राइवेट लिमिटेड को 10 लाख, परमवीर सिंह-एक्वानेट बायोसांइसिस प्राइवेट लिमिटेड को 20 लाख, यमुनानगर जिले के निवासी सुभाष-कंबोज हनी बी फार्म प्राइवेट लिमिटेड को 20 लाख, हिसार जिले के निवासी भुपेन्द्र सिंह-राजली एग्री इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को 25 लाख, सिरसा जिले के कृष्ण लाल-एस.जी.ए. फैशवेज प्राइवेट लिमिटेड को 24 लाख, सौरभ गौतम-कृषि गुरूकुलम प्राइवेट लिमिटेड को 10 लाख, झज्जर जिले के निवासी सत्यवीर सिंह-पी.ओ.एस. फूडस एलएलपी को 10 लाख, जींद जिले के निवासी अशोक कुमार-ऑलएग्रीऑनलाइन प्राइवेट लिमिटेड को 12 लाख, नरेश कुमार-बारू फार्मा प्राइवेट लिमिटेड को 20 लाख, पुनीत दत्ता-आटावेयर बायोडिग्रेडेबल प्राइवेट लिमिटेड को 12 लाख, सैयद केसरआलम-कायजा हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड को 10 लाख, रोहतक जिले के निवासी प्रदीप सिंह-बागड़ी मिल्क पार्लर प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख, पुनीत त्रिपाठी-यौपुन सोल्युशनस प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख, खुशबू-एक्राप्योर फौड प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख, प्रवीन कुमार-अमरतया एग्रो प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख, दीपिका एहलावत-न्यूको एक्सपर्ट प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख की अनुदान राशि प्रदान की जाएगी। इस अनुदान राशि के सहयोग से स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ाने के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार भी प्रदान करेंगे।